राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय संबंध / POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे	अधिकतम अंक : 250
Time allowed : Three Hours	*Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in two **SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

ABHYAS IAS ACADEMY

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) "वैयक्तिक राजनीतिक ही है"

(b) "मूलभूत स्थिति"

(c) "बिना तलवार मात्र प्रसंविदाएँ कोरे शब्द हैं, जिनमें किसी को सुरक्षा देने की शक्ति नहीं होती" (हॉब्स)

(d) श्री अरबिन्द का "स्वतंत्रता विषयक विचार"

(e) आधुनिकीकर्ता के रूप में सैयद अहमद खान

Comment on the following in approximately 150 words each : *10×5=50*

(a) "Personal is political" *10*

(b) "Original position" *10*

(c) "Covenants without swords are but words and of no strength to secure a man at all" (Hobbes) *10*

(d) Sri Aurobindo's "idea of freedom" *10*

(e) Syed Ahmed Khan as a modernizer *10*

ABHYAS IAS ACADEMY
Basics to Brilliance

Q2. (a) उदारतावाद की समुदायवादी समीक्षा का विवेचन कीजिए ।

(b) अम्बेडकर कृत मार्क्सवाद की समीक्षा का परीक्षण कीजिए ।

(c) ग्रामसी के अनुसार, आधिपत्य (प्राधान्य) एवं प्रभुत्व के बीच का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(a) Discuss the communitarian critique of liberalism. *20*

(b) Examine Ambedkar's critique of Marxism. *15*

(c) Explain, as per Gramsci, the distinction between hegemony and domination. *15*

Q3. (a) प्राकृतिक अधिकारों और मानवीय अधिकारों के बीच सम्बन्ध का विश्लेषण कीजिए ।

(b) प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारधारा में प्रतिपादित 'धर्म' के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

(c) मार्क्स के अनुसार राज्य को किस रूप में भौतिकवादी माना जा सकता है ? चर्चा कीजिए ।

(a) Analyse the relationship between natural rights and human rights. *20*

(b) Examine the significance of Dharma in ancient Indian political thought. *15*

(c) Discuss in what sense Marx's understanding of state can be considered as materialistic. *15*

Q4. (a) मूल्यपरक बहुलवाद सम्बन्धी बर्लिन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

(b) राज्य के विषय में कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए ।

(c) लास्लेट के दृढ़-कथन, कि हॉब्स नहीं, अपितु फ़िल्मर, लॉक का मुख्य विरोधी था, पर टिप्पणी कीजिए ।

(a) Explain Berlin's notion of value pluralism. *20*

(b) Analyse, as per Kautilya, the Saptanga theory of the state. *15*

(c) Comment on the assertion of Laslett that Filmer and not Hobbes was the main antagonist of Locke. *15*

ABHYAS
IAS ACADEMY
Basics to Brilliance

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के विषय में मार्क्सवादी धारणा

(b) उद्देशिका का महत्त्व

(c) भारतीय संसद का ह्रास

(d) विकास का गांधीवादी परिप्रेक्ष्य और उसकी समसामयिक प्रासंगिकता

(e) चिपको आन्दोलन तथा नर्मदा बचाओ आन्दोलन की पारस्परिक तुलना और अन्तर

Comment on the following in approximately 150 words each : *10×5=50*

(a) Marxist understanding of India's freedom movement *10*

(b) Significance of the Preamble *10*

(c) Decline of Indian Parliament *10*

(d) Gandhian perspective of development and its contemporary relevance *10*

(e) Compare and contrast Chipko Movement with Narmada Bachao Andolan *10*

ABHYAS
IAS ACADEMY
Basics to Brilliance

Q6. (a) भारत में हाल के समय की नृजातीय राजनीति की परिघटना की व्याख्या कीजिए ।

(b) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए ।

(c) भारतीय संविधान के अन्तिम निर्वचक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका का परीक्षण कीजिए ।

(a) Explain the phenomenon of ethnic politics in India in recent times. *20*

(b) Analyse the significance of Article 32 of the Indian Constitution. *15*

(c) Examine the role of Supreme Court as the final interpreter of the Indian Constitution. *15*

A-BRL-M-QPTA

Q7. (a) "सहकारी संघवाद से ही यद्यपि प्रबल केन्द्रीय अथवा सामान्य सरकार का जन्म होता है, तथापि अनिवार्यत: इसके फलस्वरूप प्राय: केन्द्रीय नीतियों की प्रशासनिक अभिकरण बन जाने वाली दुर्बल प्रान्तीय सरकारें उत्पन्न नहीं होतीं । भारतीय संघवाद से यही प्रदर्शित हुआ है ।" (ग्रानविल ऑस्टिन)

उपर्युक्त वक्तव्य के प्रकाश में भारतीय संघवाद की अद्वितीयता का परीक्षण कीजिए ।

(b) भारतीय राजनीति में प्रतिमान रूप में "एकदलीय प्रभुत्व" (डब्ल्यू. एच. मौरिस-जोन्स) की अवधारणा आज किस सीमा तक प्रासंगिक है ? व्याख्या कीजिए ।

(c) भारत में मिली-जुली (गठबंधन) सरकार के प्रधानमंत्री की स्थिति का विश्लेषण कीजिए ।

(a) "Cooperative federalism produces a strong central, or general government, yet it does not necessarily result in weak provincial governments that are largely administrative agencies for central policies. Indian federation has demonstrated this." (Granville Austin)

Examine the uniqueness of Indian federalism in the light of the above statement. *20*

(b) Explain to what extent the concept of "one-party dominance" (W.H. Morris-Jones) model is relevant in Indian politics today. *15*

(c) Analyse the position of the Prime Minister of India in a coalition regime. *15*

Q8. (a) मौलिक अधिकारों के सन्दर्भ में अनुच्छेद 368 के विस्तार-क्षेत्र को समझने की दृष्टि से सर्वोच्च न्यायालय के 'गोलकनाथ' एवं 'केशवानन्द भारती' विषयक निर्णयों के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

(b) भारत में नारी आन्दोलन के सिलसिले में 'समता की ओर (1974)' नामक परिपत्र के ऐतिहासिक महत्त्व को रेखांकित करते हुए उस पर टिप्पणी कीजिए ।

(c) 73वें संविधान-संशोधन अधिनियम के विशेष सन्दर्भ में पंचायती राज संस्थाओं की परिवर्तनशील संरचना का परीक्षण कीजिए ।

(a) Examine the significance of the verdicts of the Supreme Court in the Golaknath and Keshavananda Bharati cases for an understanding of the scope of Article 368 in regard to Fundamental Rights. *20*

(b) Point out and comment on the historic importance of the document 'Towards Equality (1974)', for women's movement in India. *15*

(c) Examine the changing structure of Panchayati Raj institutions with special reference to the 73rd Constitution Amendment Act. *15*

ABHYAS IAS ACADEMY Basics to Brilliance